

चलता हो 3. जिसका देना आवश्यक/अनिवार्य हो जैसे- दातव्य शुल्क।

दाता पुं. (तत्.) 1. देने वाला, दानी 2. ऋण या उधार देनेवाला, उत्तमर्ण, महाजन 3. शिक्षा देने वाला 4. काटने वाला।

दातार पुं. (तत्.) देने वाला, प्रदाता।

दाति स्त्री. (तत्.) 1. देने का भाव, सौंपने या सुपुर्द करने का भाव, सुपुर्दगी।

दाती स्त्री. (तद्.) 1. देने वाली, दात्री 2. काटने वाली, ढँराती, हँसिया।

दातुन/दातून पुं. (तत्.) दे. दातौन।

दातृता/दातृत्व स्त्री./पुं. (तत्.) 1. दान देने की प्रवृत्ति, दानशील होने का भाव 2. दान की पात्रता/शक्ति।

दातौन स्त्री. (तद्.) नीम, बबूल की टहनी का लगभग 8-10 इंच लंबा टुकड़ा जिससे दाँतों की सफाई की जाती है।

दात्ति स्त्री. (तत्.) दान।

दात्र पुं. (तत्.) घास, फसल आदि काटने का औजार, हँसिया।

दात्री स्त्री. (तत्.) 1. छोटा हँसिया, ढँराती 2. देने वाली।

दाद पुं. (तद्.) आयु. कवक (फफूँद) के संक्रमण से उत्पन्न रोग जिसमें त्वचा पर चकत्ते से बन जाते हैं जिसमें लगातार खुजली होती रहती है

स्त्री. (फा.) 1. न्याय 2. न्याय के लिए की जाने वाली गुहार 3. प्रशंसा, वाहवाही, प्रोत्साहन मुहा. दाद देना-प्रशंसा करना।

दादरा पुं. (देश.) 1. संगी. छह मात्राओं वाला विशेष ताल जिसमें तीन तीन मात्राओं के दो भाग होते हैं 2. भारत का एक केंद्र शासित क्षेत्र, दादरा-नगर हवेली एक छोटा केंद्र शासित प्रदेश है जिसकी राजधानी सिलवासा है।

दादा पुं. (तद्.) 1. पिता के पिता, पितामह या पितामह के तुल्य वयोवृद्ध व्यक्ति 2. बड़ा भाई या उसी के समान सम्मानित व्यक्ति 3. अपने

क्षेत्र में रौबदाब या आतंक रखने वाला, गुंडा 4. अपराधी वृत्ति का व्यक्ति

दादी स्त्री. (तद्.) 1. दादा की पत्नी या उसी के तुल्य (नाते में या आयु में) कोई महिला, पितामही 2. फरियादी, दाद (न्याय) माँगने वाला।

दादुर पुं. (तद्.) मेंढक, दर्दुर।

दादू पुं. (तद्.) 1. दादा या बड़े भाई के लिए स्नेहभरा संबोधन 2. बूंदेलखंड, बघेलखंड आदि क्षेत्रों में छोटे बालक के लिए संबोधन 3. दादूदयाल नामक प्रसिद्ध संत।

दादूपंथी पुं. (तद्.+तत्.) संत, दादूदयाल द्वारा चलाए गए पंथ का अनुयायी।

दाध पुं. (तत्.) दे. दाह।

दाधीच पुं. (तत्.) महर्षि दधीचि के वंशज या गोत्रज।

दान पुं. (तत्.) 1. देने की क्रिया या भाव 2. बदले में कुछ न चाहते हुए केवल धर्म या पुण्य की इच्छा से देने का भाव 3. दी हुई वस्तु 4. तुच्छ, दान (फा.) 1. एक प्रत्यय जिसका अर्थ है पात्र या वह वस्तु जिसमें कोई चीज रखी जाए जैसे-कलमदान, पानदान आदि 2. स्रोत या स्थान जैसे- रोशनदान, कूड़ादान।

दानकर पुं. (तत्.) दान की गई धनराशि या उपहार के मूल्य के बराबर राशि पर लगने वाला कर।

दानधर्म पुं. (तत्.) दान रूपी धर्म, दान द्वारा अर्जित धर्म।

दानपत्र पुं. (तत्.) वह पत्र या लेख जिस पर कोई चल-अचल संपत्ति किसी को देने का उल्लेख हो।

दानलीला स्त्री. (तत्.) श्रीकृष्ण के जीवन का वह प्रसंग जिसमें उन्होंने गोपियों से कर के रूप में दूध मक्खन आदि ग्रहण किया था।

दानव पुं. (तत्.) कश्यप ऋषि की पत्नी एवं दक्ष प्रजापति की पुत्री दनु से उत्पन्न संतानें, अपने दुर्गुणों के कारण कुख्यात एक जाति जो देवताओं को अपना शत्रु समझती थी।